दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 06 सितंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 340

## महत्वपूर्ण एवं खास

### सीएम केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, दो दिन में लिखित दलीलें पेश करने को कहा

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। सीबीआई और केजरीवाल की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगले दो दिन में लिखित दलीलें पेश कर दें। हम आपको मंगलवार को मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि वह केजरीवाल की यचिका पर मंगलवार को जमानत और गिरफ्तारी पर फैसला देगा। याचिका में केजरीवाल ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सुनवाई की। सीबीआई ने केजरीवाल की जमानत का विरोध किया है। जांच एजेंसी ने केजरीवाल की जमानत के खिलाफ कोर्ट में जवाब दाखिल किया है। सीबीआई ने कहा है कि केजरीवाल की याचिका में दम नहीं है। याचिकाकर्ता केस को राजनीतिक रंग देना चाहते हैं।

### तेलंगाना में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़, 6 माओवादी ढेर; 2 जवान घायल

**हैदराबाद (आरएनएस)।** देश के विभिन्न राज्यों में सक्रिय नक्सलियों और माओवादियों को खत्म करने की दिशा में सुरक्षाबलों को गुरुवार को बड़ी कामयाबी मिली है। जानकारी के मुताबिक, तेलंगाना के भद्राद्रि कोठागुडेम जिले पुलिस और के साथ माओवादियों की मुठभेड़ हई। इस मुठभेड़ में 6 माओवादी मारे गए जबक 2 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इनमें से एक जवान की हालत गंभीर है और उसका इलाज चल रहा हैतेलंगाना राज्य के भद्राद्रि कोठागुडेम जिले के अधीक्षक रोहित राज ने जानकारी दी थी कि गुरुवार 5 सितंबर की सुबह भद्राद्री कोठागुडेम जिले में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस मुठभेड़ में 6 नक्सली मारे गए हैं। वहीं, 2 जवान घायल भी हो गए हैं। वहीं इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

### कोलकाता रेप केस में सीबीआई को मिला नया सुराग, संदीप घोष की बढ़ीं मुश्किलें

**कोलकाता (आरएनएस)।** पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की जांच कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज मिला है। दस्तावेज के अनुसार, पूर्व प्राचार्य संदीप घोष ने पीड़िता का शव बरामद होने के एक दिन बाद राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को घटना स्थल के आस-पास के क्षेत्रों में मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए थे। पीड़िता का शव 9 अगस्त की सुबह अस्पताल परिसर के सेमिनार कक्ष से बरामद किया गया था। सूत्रों ने बताया कि जांच अधिकारियों ने एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किया है, जिससे पता चलता है कि घोष ने सेमिनार हॉल से सटे एक कमरे और शौचालय में मरम्मत कार्य करने के लिए राज्य लोक निर्माण विभाग को अनुमति पत्र जारी किया था। जिस जगह पर मरम्मत कार्य होने की बात कही जा रही है, वह घटना स्थल के पास है।

# छत्तीसगढ़ के वैज्ञानिकों ने बनाया देश का पहला बायोमार्कर किट

❐ कोविड-19 गंभीरता का अनुमान लगाने वाला उपकरण

**नई दिल्ली | आरएनएस**

छत्तीसगढ़ के वैज्ञानिकों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल, रायपुर की मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू) के वैज्ञानिकों ने देश का पहला बायोमार्कर किट विकसित किया है, जो कोविड-19 संक्रमण की गंभीरता का प्रारंभिक चरण में ही सटीक अनुमान लगाने में सक्षम है। इस किट की मदद से डॉक्टर यह तय कर सकेंगे कि मरीज को अस्पताल में भर्ती करना आवश्यक है या वह केवल दवाइयों के माध्यम से घर पर ही ठीक हो सकता है। साथ ही, यह किट यह भी बता सकती है कि मरीज को किस प्रकार की दवाइयों की जरूरत होगी, जिससे इलाज को और अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाया जा सकेगा।यह रिसर्च कोविड-19 की पहली लहर के दौरान शुरू किया गया था, और इसके परिणाम हाल ही में *साइंटिफिक रिपोर्ट्स* पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। इस किट को भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए भी आवेदन किया गया है।

मुख्य वैज्ञानिक डॉ. जगन्नाथ पाल और उनकी टीम ने इस किट को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. पाल ने बताया कि कोविड महामारी के दौरान यह समझना बेहद कठिन था कि किन मरीजों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत है और किन्हें घर पर ही इलाज दिया जा सकता है। इसी चुनौती को देखते हुए यह बायोमार्कर किट विकसित की गई, जो क्यू पीसीआर (क्वांटिटिव पीसीआर) आधारित परीक्षण पर आधारित है और 91% संवेदनशीलता और 94% विशेषता के साथ सटीक परिणाम प्रदान करती है।

इस शोध में एमआरयू की वैज्ञानिक डॉ. योगिता राजपूत ने भी अहम योगदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी यह रिसर्च मजबूती प्रदान करता है, क्योंकि इसने सीमित संसाधनों में भी बड़ी सफलता हासिल करने की क्षमता को साबित किया है।छत्तीसगढ़ के इस अनोखे अविष्कार से अब देश में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई और अधिक सशक्त हो जाएगी। यह किट न केवल रोग की गंभीरता का आकलन करेगी बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगी कि मरीजों को सही समय पर सही इलाज मिल सके, जिससे अनावश्यक दवाओं और संसाधनों का उपयोग रोका जा सके। यह किट शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (टी-सेल प्रतिक्रिया) को मापकर यह पता लगाती है कि वायरस के संक्रमण का असर कितना गंभीर हो सकता है। यह किट पहले से किए गए कोविड-19 टेस्ट से बची हुई आरएनए का उपयोग करती है। फिर, इस आरएनए से रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन द्वारा डीएनए तैयार किया जाता है और इसे जांचा जाता है कि शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया कितनी मजबूत है। इस जानकारी के आधार पर एक "सीवियरिटी स्कोर" यानी गंभीरता का स्कोर दिया जाता है। अगर स्कोर एक तय सीमा से कम होता है, तो यह बताता है कि मरीज की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया अच्छी है, और उसे अस्पताल में भर्ती होने या अतिरिक्त दवाओं की जरूरत नहीं होगी। अगर स्कोर तय सीमा से ज्यादा होता है, तो यह बताता है कि मरीज की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया कमजोर है, ऐसे में उसे विशेष चिकित्सा और दवाओं की आवश्यकता हो सकती है।

## सिक्किम में 300 फीट गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, 4 जवानों ने गंवाई जान

**नई दिल्ली | आरएनएस**

सिक्किम में सेना का एक वाहन हादसे का शिकार हो गया है। पूर्वी सिक्किम जालुक आर्मी कैंप से दलपचंद जा रहा सेना का वाहन सडक़ से 300 फीट नीचे गिर गया। इस हादसे में सेना के चार जवानों की मौत हो गई। स्थानीय प्रशासन और सेना की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। इस हादसे में जान गंवाने वाले सैनिकों में मध्य प्रदेश के ड्राइवर प्रदीप पटेल, मणिपुर के शिल्पकार डब्ल्यू पीटर, हरियाणा के नायक गुरसेव सिंह और तमिलनाडु के सूबेदार के थंगापंडी शामिल हैं। भारतीय सेना के एक अधिकारी ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि ड्राइवर समेत सभी मृतक सैन्यकर्मी पश्चिम बंगाल के बिनागुरी की एक यूनिट के थे।

बीते साल लद्दाख में भी ऐसा ही दर्दनाक हादसा हुआ था। अगस्त में भारतीय सेना का एक वाहन हादसे का शिकार हुआ था। ये दुर्घटना लेह के पास क्यारी गांव में हुई थी। यहां सेना का वाहन खाई में गिर गया था। इस हादसे में नौ जवानों ने जान गंवाई थी. इसमें एक जेसीओ (जूनियर कमीशन अफसर) भी थे। सेना के काफिले में तीन वाहन शामिल थे। इसमें से ही एक वाहन हादसे का शिकार हुआ था।

इस काफिले में सेना के 3 अफसर, 2 जेसीओ और 34 जवान थे. 3 वाहनों के काफिले में 1 जिप्सी, 1 ट्रक और 1 एंबुलेंस थी। हादसे पर दुख जताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा था किलेह के पास हुई दुर्घटना में सेना के जवानों के मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं।

## कोस्ट गार्ड का हेलिकॉप्टर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त, लापता पायलट की तलाश जारी

**अहमदाबाद | आरएनएस**

भारतीय कोस्ट गार्ड (आईसीजी) का एक एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) एमके-3 मिशन के दौरान समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान का फ्रेम नंबर सीजी 863 है और वह एक मेडिकल इवैक्यूएशन मिशन पर था। हेलीकॉप्टर 2 सितंबर की रात मोटर टैंकर हरि लीला से गंभीर रूप से घायल चालक दल के सदस्य को एयरलिफ्ट करने के लिए एक आपातकालीन मिशन पर गया था।

भारतीय नौसेना और अन्य एजेंसियों की भागीदारी के साथ कोस्ट गार्ड की अगुवाई में खोज अभियान तेज कर दिया गया है।घटना की जांच में मदद के लिए गिरे हुए हेलीकॉप्टर के मलबे की भी तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया, हम गहन तलाशी अभियान के लिए दो विमान और चार जहाज तैनात कर रहे हैं। हमने भारतीय नौसेना से सहायता मांगी है और साइड-स्कैन सोनार तकनीक से लैस एक जहाज के जल्द ही इस मिशन में शामिल होने की उम्मीद है। जब हेलीकॉप्टर नीचे गिरा, तो उसमें चार लोग सवार थे-दो पायलट और दो एयर क्रू गोताखोर।

दुर्घटना के बाद आईसीजी ने बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया। चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया है, जबकि दो अन्य को बचाया नहीं जा सका है। मृतकों की पहचान कमांडेंट (जूनियर ग्रेड) विपिन बाबू और प्रधान नाविक करण सिंह के रूप में हुई है। उनके अवशेष समुद्र से बरामद किए गए हैं और सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

## दर्दनाक हादसा : जागरण से लौट रहे युवकों की बाइकें कार से टकराई, एक ही गांव के 6 सदस्यों की मौत

**श्रीगंगानगर | आरएनएस**

राजस्थान के श्रीगंगानगर में बुधवार देर रात एक भीषण सडक़ हादसा हो गया। हादसे में एक ही गांव के 6 युवकों की मौत हो गई। यह हादसा श्रीविजयनगर थाना इलाके में हुआ। बख्तावरपुरा गांव ये सभी लोग जागरण में गए हुए थे।वहां से लौटते समय यह भीषण हादसा हो गया। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और बख्तावरपुरा गांव के लोग मौके पर पहुंचे। मृतकों के शवों का आज पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक हादसा श्रीविजयनगर में बुधवार देर रात करीब 2 बजे हुआ। बख्तावरपुरा गांव के 6 युवक दो बाइक पर पास में आयोजित जागरण में शामिल होकर वापस गांव से लौट रहे थे। उसी दौरान दोनों बाइक 25त्रक्च बस स्टैंड के पास एक कार से जा टकराई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि युवक दूर-दूर तक जाकर गिरे। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और ग्रामीणों ने शवों और घायलों को श्रीविजयनगर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। वहां तीनों घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद श्रीगंगानगर रेफर कर दिया गया। लेकिन वहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

6 युवकों की मौत से उनके परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं पूरे बख्तावरपुरा गांव में मातम पसर गया। अलसुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रीविजयनगर और श्रीगंगानगर अस्पताल पहुंच गए। तीन युवकों के शव श्रीविजयनगर और तीन के श्रीगंगानगर के अस्पताल में रखे गए हैं। वहां आज परिजनों की मौजूदगी में उनका पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

## आईटी मंत्रालय 125 शुरुआती स्टार्टअप को प्रदान करेगा फंडिंग और मेंटरशिप

**नई दिल्ली | आरएनएस**

आईटी मंत्रालय ने गुरुवार को अपने स्टार्टअप एक्सेलेरेटर के दूसरे समूह की घोषणा की, जिसमें संभावित एक्सेलेरेटर के माध्यम से चयनित और समर्थित 125 प्रारंभिक स्टार्टअप को फंडिंग सहायता और मेंटरशिप प्रदान की जाएगी। उत्पाद नवाचार, विकास और वृद्धि (समृद्ध) के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप एक्सेलेरेटर के तहत आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 2 अक्टूबर है।

पहले समूह में, 12 राज्यों से 22 प्रस्तावों को ओपन कॉल के माध्यम से चुना गया थे। इन एक्सेलेरेटर ने फिर एक बहु-स्तरीय स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से स्वास्थ्य-तकनीक, शिक्षा-तकनीक, कृषि-तकनीक, उपभोक्ता-तकनीक, वित्तीय-तकनीक, सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर (सास) और स्थिरता के क्षेत्रों में से प्रत्येक में 5-10 स्टार्टअप का चयन किया।

दूसरा समूह सरकार के 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा है, जिसके तहत संभावित एक्सेलेरेटर के माध्यम से 125 स्टार्टअप का चयन और समर्थन किया जाएगा, ताकि 300 स्टार्टअप को विकसित करने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा कि वह राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर उत्पाद नीति (एनपीएसपी)-2019 के तहत भारत के सॉफ्टवेयर उत्पाद उद्योग के विकास के लिए काम कर रहा है।

अगस्त 2021 में शुरू किए गए इस समृद्ध कार्यक्रम का उद्देश्य 4 साल में 300 सॉफ्टवेयर उत्पाद स्टार्टअप को 99 करोड़ रुपये का समर्थन देना है।

इस योजना का कार्यान्वयन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय स्टार्ट-अप हब और डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन द्वारा किया जा रहा है।

सरकार ने कहा, समृद्ध प्रोग्राम को पूरे भारत में संभावित और स्थापित एक्सेलेरेटर के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है, जो उत्पादों को बाजार के अनुकूल बनाने, व्यापार योजना, निवेशक संपर्क और स्टार्टअप के लिए अंतरराष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 40 लाख रुपये तक की मैचिंग फंडिंग जैसी सेवाएं प्रदान करता है।

मंत्रालय के अनुसार, स्टार्टअप सहित घरेलू सॉफ्टवेयर उत्पाद उद्योग को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, टेक्नोलॉजिकल इनक्यूबेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ एंटरप्रेन्योर्स (टीआईडीई) प्रोग्राम, नेक्स्ट जेनरेशन इनक्यूबेशन स्कीम (एनजीआईएस), आईसीटी ग्रैंड चैलेंजेज, जेन-नेक्स्ट जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है।

### राऊ-खलघाट फोरलेन पर हादसा

## ब्रेक फेल होने के बाद ट्रक कार से भिड़ा मां-बेटे की मौत, पति व ससुर घायल

**भोपाल | आरएनएस**

राऊ-खलघाट फोरलेन पर बुधवार सुबह फिर खतरनाक हादसा हो गया। इस हादसे में मां और उसके बेटे की मौत हो गई, जबकि पति व ससुर गंभीर रूप से घायल हैं। ये सभी लोग इंदौर से बड़वानी जिले के एक गांव जा रहे थे। इसी दौरान ब्रेक फेल ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

जानकारी के अनुसार इंदौर के सुदामा नगर निवासी डॉ. दीपक यादव, पत्नी अनिता यादव, बेटा प्रियांश और दीपक के पिता कमल यादव कार से इंदौर से बड़वानी के ग्राम दोमांणा नागलवाड़ी जा रहे थे। सुबह करीब 9 बजे जैसे ही वे लोग गुजरी के पास गणपति घाट पर पहुंचे तो बहुत तेजी से घाट उतर रहा ट्रक अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में पहुंच गया और उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

कार में सवार पत्नी अनिता(26) और बेटे प्रियांश (7) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि डॉ. दीपक (35) और उनके पिता कमल यादव (60) गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार डॉ. दीपक सेज यूनिवर्सिटी में कम्प्यूटर साइंस विभाग के एचओडी हैं, जबकि उनकी पत्नी अनिता कॉलेज के हॉस्टल की वार्डन थीं। ट्रक में रवा भरा हुआ था।

हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। ट्रक को क्रेन की मदद से सीधा किया गया। हादसे के बाद करीब 2 घंटे तक जाम लगा रहा।

## कोलकाता रेप-मर्डर पीड़िता के परिजनों का बड़ा आरोप- 'पुलिस ने रिश्वत देने की कोशिश की'

**कोलकाता | आरएनएस**

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। इस बीच पीड़िता के परिजनों ने बड़ा दावा किया है। महिला डॉक्टर के परिजनों ने आरोप लगाया है कि कोलकाता पुलिस ने जल्दबाजी में शव का अंतिम संस्कार करके मामले को दबाने की कोशिश की थी। वहीं, उन्होंने ये भी आरोप लगाया है कि कोलकाता पुलिस ने उन्हें पैसे की रिश्वत देने की भी कोशिश की थी।

कोलकाता रेप-मर्डर पीड़िता के परिजनों ने दावा किया है कि कोलकाता पुलिस ने शुरू से ही इस मामले को दबाने की कोशिश की थी। परिजनों को शव देखने के अनुमति नहीं दी गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने के दौरान उन्हें पुलिस स्टेशन में इंतजार करना पड़ा। बाद जब परिजनों को शव सौंपा गया तो एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने उन्हें पैसे देने की पेशकश की। परिजनों ने इसे तुरंत अस्वीकार कर दिया।

पीड़िता के माता-पिता ने बुधवार की रात जूनियर डॉक्टरों के साथ आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग की। इससे पहले मंगलवार को कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शहर के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल के सिए हाथ से बनी कृत्रिम रीढ़ पेश की थी। डॉक्टरों ने पूरे केस में कथित खामियों को लेकर उनसे इस्तीफा मांगा था। उन्होंने इस तरीके से पुलिस को रीढ़ की हड्डी विकसित करने का संदेश दिया है।

**लोगों ने बंद की घरों की लाईट-** कोलकाता में बुधवार शाम को नागरिकों ने एकजुटता दिखाते हुए शक्तिशाली प्रदर्शन किया। आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक से रेप और हत्या के विरोध में यहां के निवासियों ने रात 9 बजे से 10 बजे तक एक घंटे के लिए अपने घरों की लाइट बंद कर दीं और सडक़ों पर कैंडल मार्च निकाला। रात ठीक 9 बजे विक्टोरिया मेमोरियल और राजभवन जैसे प्रमुख स्थल, शहर, उपनगर और जिलों के घर विरोध प्रदर्शन के हिस्से के रूप में अंधेरे में डूब गए।

### निवेश के लिए छत्तीसगढ़ सर्वश्रेष्ठ राज्य : देवांगन

## छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली में उद्योग समागम में की भागीदारी

**नई दिल्ली | आरएनएस**

छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने नई दिल्ली में आयोजित उद्योग समागम सम्मेलन में भाग लिया। यह कार्यक्रम केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें सभी राज्यों के उद्योग मंत्री और प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। इस सम्मेलन में देश भर के उद्योगपतियों, उद्यमियों और निवेशकों ने भाग लिया, जिसमें व्यापार, उद्योग और आर्थिक विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री देवांगन ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में निवेश की विशाल संभावनाओं और राज्य सरकार द्वारा व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने राज्य में औद्योगिक विकास और रोजगार के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने निवेशकों को राज्य में आकर्षित करने के लिए बेहतर नीतियों और बुनियादी ढांचे के विकास पर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कई विशेष योजनाएं और सुविधाएं प्रदान कर रही है, जिससे न केवल राज्य का आर्थिक विकास होगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। देवांगन ने कहा छत्तीसगढ़ निवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थल के रूप में उभर रहा है। प्रदेश खनिज उत्पादन वाले प्रमुख राज्यों में शामिल है। यहां उद्योग स्थापित करने के लिए अनुकूल माहौल है। प्रदेश में नए उद्योगों को सर्वसुविधा उपलब्ध कराने के नई रणनीति बनाई गई है। उन्होंने कहा राज्य में निवेश बढ़ाने व उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए वित्तीय प्रोत्साहन व छूट भी दी जा रही है। देवगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 की लांचिंग किया गया है, इससे नए उद्योग शुरू करने वाले व्यापारियों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा 1 नवंबर 2024 से प्रदेश की नई उद्योग नीति भी लागू हो जाएगी। नई नीति उद्यमियों के सहूलियत को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में तैयार किया जा रहा है।सम्मेलन के दौरान उपस्थित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश के प्रति गहरी रुचि दिखाई और राज्य में भविष्य में निवेश करने की संभावनाओं पर विचार किया।कार्यक्रम में उद्योग विभाग के सचिव अंकित आनंद, इन्वेस्टमेंट कमिश्नर रितु सेन, सीएसआईडीसी के कार्यपालन संचालक आलोक त्रिवेदी भी उपस्थित रहे।